अध्याय
01

सत्ता की साझेदारी

सीखने के प्रतिफल:-

- छात्र सत्ता में साझेदारी के विभिन्न रूपों की जानकारी लेंगे।
- छात्र यह जान पाएंगे कि विभिन्न लोकतांत्रिक शासन पद्धतियां सत्ता के बंटवारे की मांग से कैसे निपटती है?

परिचय

किसी भी देश के अंतर्गत विभिन्न जाति, धर्म भाषा नस्ल तथा रीती - रिवाजो को मानने वाले लोग निवास करते हैं। सामान्य तौर पर यह देश की विशेष पहचान बन जाती है, लेकिन कई बार यही विशेषतायें देश के भौगोलिक सीमाओं के भीतर समस्या पैदा कर देती हैं। जब देश में निवास करने वाले लोग जाति, धर्म, भाषा और जाति के आधार पर लड़ने-मिटने के लिए तैयार हो जाते हैं। तो कभी-कभी यह संघर्ष देश के विभाजन का भी कारण बन जाता है।

बेल्जियम और श्रीलंका

उत्तरी बेल्जियम में बहुसंख्यक डच भाषी लोग निवास करते हैं, जबकि दक्षिण बेल्जियम में

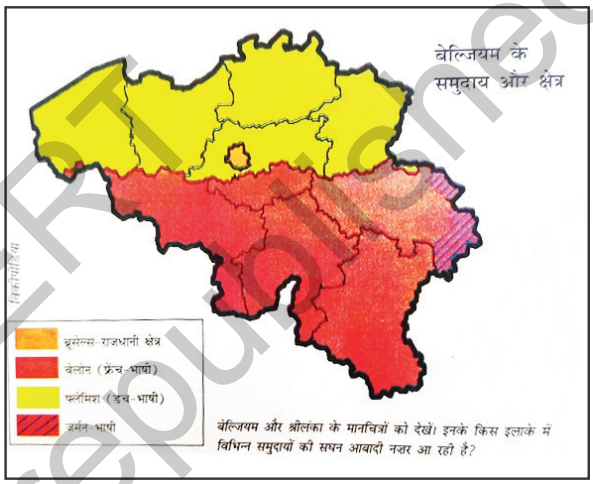

बेल्जियम और श्रीलंका के मानचित्रों को देखें। इनके किस इलाके में विभिन्न समुदायों की सघन आबादी नजर आ रही है?

अल्पसंख्यक फ्रेंच भाषी लोग निवास करते हैं। लेकिन डच भाषी लोग सामाजिक आर्थिक रूप से फ्रेंच भाषी लोगों से पिछड़े थे, जिससे बहुसंख्यक डच भाषी लोगों में असंतोष पैदा हुआ और इस असंतोष ने 1950—60 के दशक में संघर्ष का रूप ले लिया।

श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद

1948 में श्रीलंका स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बहुसंख्यक सिंहली समुदाय के लोगों ने अल्पसंख्यक तमिलों को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक रूप से दबाना शुरू किया। इसमें 1956 में बनाया गया एक कानून काफी महत्वपूर्ण था। इससे श्रीलंका में तमिल और सिंहली लोगों के बीच

© JCERT not to be republished

संघर्ष शुरू हो गया। यह संघर्ष काफी लंबे समय तक चला। 1980 के दशक में उत्तर पूर्वी श्रीलंका में तमिलों ने स्वायत्तता की मांग शुरू की जिसने गृहयुद्ध का रूप ले लिया। तमिलों की ओर से इसका नेतृत्व LTTE नामक एक संगठन ने किया।

बेल्जियम की समझदारी

बेल्जियम की सरकार ने श्रीलंका से अलग रास्ता अपनाया। उन्होंने क्षेत्रीय अंतर और सांस्कृतिक विविधताओं को स्वीकार किया। 1970 और 1993 के बीच अपने संविधान में 4 संशोधन किए ताकि बेल्जियम की समस्या का समाधान किया जा सके।

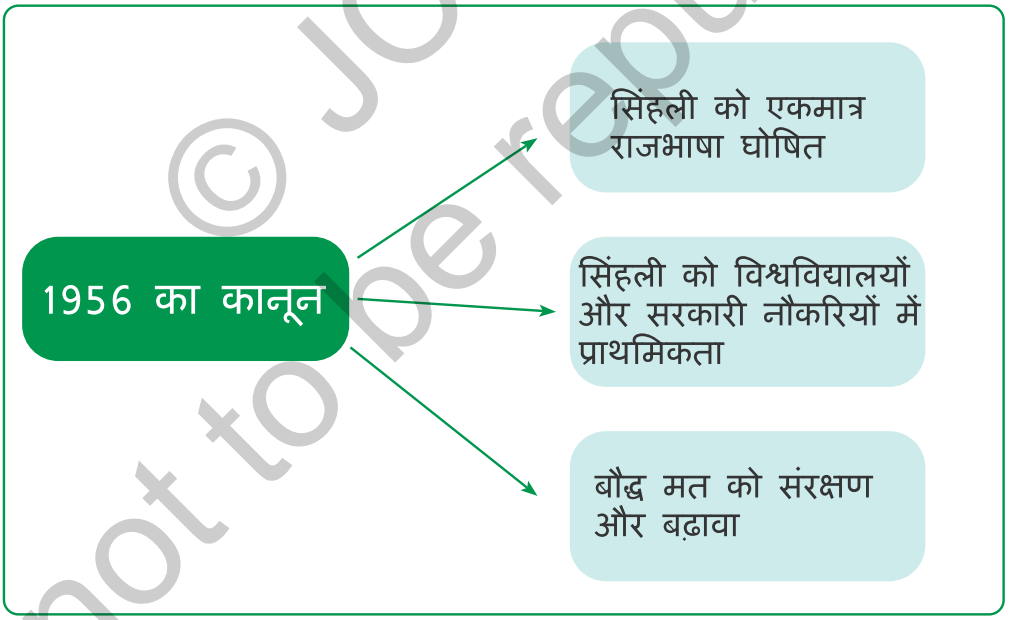

© JCERT not to be republished

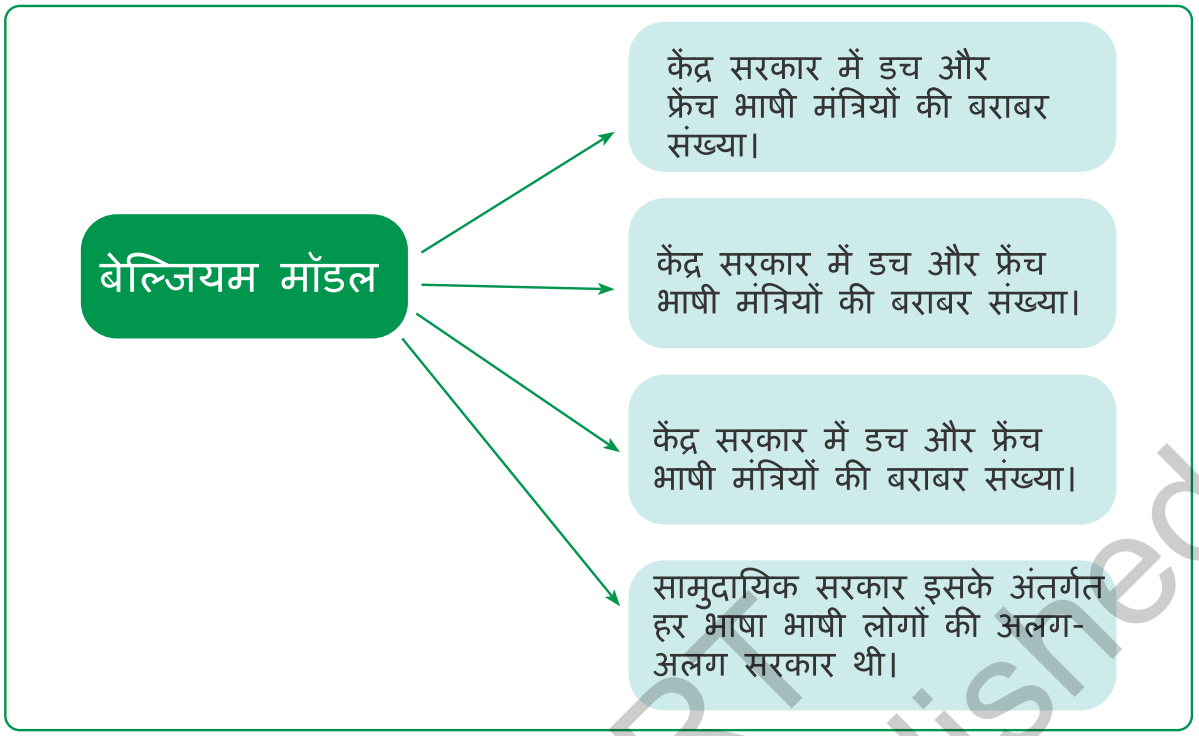

सत्ता की साझेदारी क्यों जरूरी है?

किसी देश की समस्याओं विशेषकर राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए सभी वर्गों की सत्ता में साझेदारी आवश्यक हो जाती है। सत्ता की साझेदारी के अभाव में कई सारी समस्याएं खड़ी हो जाती है।

1. सत्ता की साझेदारी क्यों?
2. विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव की स्थिति
3. हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता
4. जानमाल की क्षति
5. देश की अखंडता के लिए घातक

सत्ता की साझेदारी के रूप

राजनीतिक सत्ता का बंटवारा नहीं किया जा सकता है - इसी धारणा के विरुद्ध सत्ता की साझेदारी का विचार सामने आया। सत्ता की साझेदारी के कई रूप हैं।

नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था-

इसमें सरकार के विभिन्न अंगों (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) के बीच कार्यों का विभाजन होता है । इसे शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत या सत्ता का क्षैतिज वितरण भी कहा जाता है।

सरकार के अंग :-

1. विधायिका :- कानून का निर्माण करना
2. कार्यपालिका :- कानून लागू करना
3. न्यायपालिका :- संविधान और अधिकारों की रक्षा करना

© JCERT not to be republished

सत्ता का ऊर्ध्वाधर वितरण

इसे संघीय सरकार भी कहा जाता है। अर्थात "ऐसी शासन व्यवस्था जिसमें केंद्र सरकार और राज्य सरकारों दोनों का अस्तित्व हो और दोनों के अलग - अलग कार्यक्षेत्र हो।"

1. केंद्र सरकार
2. राज्य सरकार
3. स्थानीय स्वशासन
4. नगर निगम
5. नगर पालिका
6. ग्राम पंचायत

सामुदायिक सरकार

सरकार के इस रूप में विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की भागीदारी होती है अर्थात् सभी वर्गों और समूह के लोग सत्ता में शामिल होते हैं।

1. सामुदायिक सरकार
2. भाषाई समूह
3. लैंगिक समूह
4. धार्मिक समूह
5. जातीय समूह

दबाव समूह और आंदोलन

लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में सत्ता पक्ष या सरकार की मनमानी रोकने के लिए विभिन्न दबाव समूहों तथा उनके द्वारा किया जाने वाला आंदोलन काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दबाव समूहों में विपक्षी दल, व्यापारी वर्ग, उद्योगपति वर्ग, किसान वर्ग, छात्र समूह तथा औद्योगिक मजदूर इत्यादि आते हैं।

1. सरकार
2. विपक्षी दल
3. व्यापारी
4. उद्योगपति
5. छात्र
6. किसान
7. औद्योगिक मजदूर

सारांश

सत्ता का अर्थ — शासन तंत्र या सरकार

सत्ता की साझेदारी का अर्थ — शासन तंत्र या सरकार में भागीदारी

भारत की शासन प्रणाली — संसदीय लोकतंत्र

बेल्जियम की राजधानी — ब्रुसेल्स

संघीय ढांचा — सरकार के स्तर
(केंद्र सरकार और राज्य सरकार)

स्थानीय स्वशासन — निचले स्तर पर या आम नागरिकों की शासन में भागीदारी

लोकतंत्र का दूसरा नाम — प्रजातंत्र या जनतंत्र

© JCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-उत्तर

प्रश्न 1. आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ता की साझेदारी के अलग - अलग तरीके क्या हैं? इनमें से प्रत्येक का एक उदाहरण भी दें।

उत्तर- आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ता की साझेदारी के अलग अलग तरीके निम्नलिखित है-

(i) सरकार के तीन अंग के बीच सत्ता की साझेदारी— लोकतंत्र की सफलता के लिए सरकार के तीनों अंगों - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बंटवारा रहता है ताकि कोई भी अंग अपनी शक्तियों का दुरुपयोग न कर सके। हर अंग दूसरे पर अंकुश रखता है। इस प्रकार संतुलन बना रहता है। उदाहरण के लिए कानून और अधिनियम विधायिका द्वारा बनाए और पास किए जाते है। इनका कार्यान्वयन कार्यपालिका करती है और न्यायपालिका कानून को तोड़ने वालों को दंडित करती है।

(ii) विभिन्न स्तरों पर सत्ता का बँटवारा—सरकार के बीच भी विभिन्न स्तरों पर सत्ता का बंटवारा हो सकता है। प्रत्येक प्रान्त या राज्य स्तर पर अलग-अलग सरकार स्थापित है। जैसे—भारतीय संविधान में केंद्र तथा राज्य सरकारों की शक्ति को अलग-अलग सूचियों में बांट दिया गया है।

(iii) विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता का बँटवारा— सत्ता का बंटवारा विभिन्न सामाजिक समूहों अर्थात् भाषायी और धार्मिक समूहों के बीच भी हो सकता है। बेल्जियम इसका उदाहरण है।

(iv) राजनीतिक दलों, दबाव समूह तथा आंदोलन के बीच सत्ता का बँटवारा— लोकतंत्र में व्यपारी, उद्योगपति, किसान आदि जैसे समूह भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कई बार एक दल को बहुमत न मिलने पर कुछ दल मिलकर गठबंधन सरकार बना लेते है। उदाहरण के लिए भारत में 1999-2004 के बीच मिली-जुली सरकार बनी थी। इसी तरह डेनमार्क में अनेक राजनितिक दल है जो सत्ता का बँटवारा कर सरकार चलाते है।

प्रश्न 2. भारतीय संदर्भ में सत्ता की हिस्सेदारी का एक उदाहरण देते हुए इसका एक युक्तिपरक और एक नैतिक कारण बताएं।

उत्तर: भारतीय संदर्भ में सत्ता की साझेदारी में युक्तिपरक कारण शक्ति विभाजन के लाभों पर बल देती है और नैतिक कारण वास्तविक शक्ति विभाजन की योग्यता पर बल देते हैं।

युक्तिपरक कारण- भारत में विभिन्न सामाजिक समूह भाषा, क्षेत्र, लिंग, धर्म आदि को मानने वाले लोग निवास करते हैं। अतः सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष को रोकने के लिए सामाजिक

© JCERT not to be republished

समूहों के बीच सत्ता की भागीदारी आवश्यक है। जैसे— यदि संविधान निर्माण के समय तीन भाषाई फार्मूला विद्यार्थियों पर लागू न कर सभी पर हिंदी भाषा को जबरदस्ती थोप दिया जाता, तो भारत के अनेक भागो में हिंसात्मक आंदोलन चलते रहते परन्तु वर्तमान में भारत के सभी लोग स्वेच्छा से हिंदी, अंग्रेजी, क्षेत्रीय भाषा के साथ-साथ यूरोपीय भाषा भी सीख रहे है।

नैतिक कारण- लोकतंत्र में वह सरकार वैधानिक होती है जिसमे सभी लोग व्यवस्था से जुड़े होते है। सरकार लोकतंत्र को उदारवादी और कल्याणकारी बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास करती है। कानून इस तरह बनाए जाते है जिससे की किसी की भी धार्मिक आस्था और विश्वासों को ठेस न पहुँचे। इस प्रकार सत्ता की भागीदारी का यह दृष्टिकोण नैतिक दृष्टिकोण कहलाता है।

प्रश्न 3. इस अध्याय को पढ़ने के बाद तीन छात्रों ने अलग अलग निष्कर्ष निकाले। आप इनमें से किससे सहमत हैं और क्यों? अपना जवाब करीब 50 शब्दों में दें।

थम्मन: जिन समाजों में क्षेत्रीय, भाषायी और जातीय आधार पर विभाजन हो सिर्फ वहाँ सत्ता की साझेदारी जरूरी है।

मथाई: सत्ता की साझेदारी सिर्फ ऐसे बड़े देशों के लिए उपयुक्त है जहाँ क्षेत्रीय विभाजन मौजूद होते हैं।

औसेफ: हर समाज में सत्ता की साझेदारी की जरूरत होती है भले ही वह छोटा हो या उसमें सामाजिक विभाजन न हों।

उत्तर: मैं औसेफ से सहमत हूँ। हम जानते हैं कि लोकतंत्र की मूल भावना है लोगों के हाथ में सत्ता देना। सत्ता की साझेदारी करके हम लोकतंत्र की मूल भावना का सम्मान करते हैं। यदि सत्ता की साझेदारी नहीं होती है तो सत्ता कुछ चुनिंदा हाथों तक ही सीमित रह जाती है। ऐसी स्थिति से तानाशाही का जन्म होता है जिससे लोकतंत्र की हत्या हो जाती है।

प्रश्न 4. बेल्जियम में राजधानी के निकट स्थित मर्चटेम के मेयर ने अपने यहां के स्कूलों में फ्रेंच बोलने पर रोक को सही बताया है। उन्होंने कहा है कि इससे डच भाषा में बोलने वाले लोगों को इस फ्लेमिश शहर के लोगों से जुड़ने में मदद मिलेगी। क्या आपको लगता है कि यह फैसला बेल्जियम की सत्ता की साझेदारी की व्यवस्था की मूल भावना से मेल खाता है? अपना जवाब करीब 50 शब्दों में लिखें?

उत्तर— नहीं, मर्चटेम के मेयर का यह फैसला बेल्जियम की सत्ता की साझेदारी की व्यवस्था की मूल भावना से मेल नहीं खाता क्योंकि बेल्जियम एक जनसांख्यिक विवधता वाला देश है। बेल्जियम में तीन भाषा वर्ग के लोग रहते है - डच, फ्रेंच एवं जर्मन। इनमे से 59% आबादी डच बोलती है और फ्लेमिश में रहती है जबकि 40% आबादी फ्रेंच बोलती है और वेलोमिया में रहती है। अगर फ्लेमिश में फ्रेंच बोलने पर रोक लगाई तो

© JCERT not to be republished

वालोनिया में भी डच बोलने पर भी रोक लगाने की मांग होगी। इसका परिणाम यह होगा कि सामाजिक और राजनितिक संघर्ष बढ़ेगा तथा अशांति का वातावरण बन जाएगा। लोकतंत्र में सभी को स्वतंत्रता और समानता का अधिकार है।

प्रश्न 5. नीचे दिए गए उद्धरण को गौर से पढ़ें और इसमें सत्ता की साझेदारी के जो युक्तिपकर कारण बताए गए हैं उसमें से किसी एक का चुनाव करें।

"महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने और अपने संविधान निर्माताओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए हमें पंचायतों को अधिकार देने की जरूरत है। पंचायती राज ही वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना करता है। यह सत्ता उन लोगों के हाथों में सौंपता है जिनके हाथों में इसे होना चाहिए। भ्रष्टाचार कम करने और प्रशासनिक कुशलता को बढ़ाने का एक उपाय पंचायतों को अधिकार देना भी है। जब विकास की योजनाओं को बनाने और लागू करने में लोगों की भागीदारी होगी तो इन योजनाओं पर उनका नियंत्रण बढ़ेगा। इससे भ्रष्ट बिचौलियों को खत्म किया जा सकेगा। इस प्रकार पंचायती राज लोकतंत्र की नींव को मजबूत करेगा।"

उत्तर: इस उद्धरण में सरकार के विभिन्न स्तरों पर सत्ता की साझेदारी की बात की गई है जो सत्ता की साझेदारी का एक युक्तिपरक कारण है।

प्रश्न 6. सत्ता के बँटवारे के पक्ष और विपक्ष में कई तरह के तर्क दिए जाते हैं। इनमें से जो तर्क सत्ता के बँटवारे के पक्ष में हैं उनकी पहचान करें और नीचे दिए गए कोड से अपने उत्तर का चुनाव करें।

सत्ता की साझेदारी:

(क) विभिन्न समुदायों के बीच टकराव को कम करती है।

(ख) पक्षपात का अंदेशा कम करती है।

(ग) निर्णय लेने की प्रक्रिया को अटका देती है।

(घ) विविधताओं को अपने में समेट लेती है।

(ड) अस्थिरता और आपसी फूट को बढ़ाती है।

(च) सत्ता में लोगों की भागीदारी बढ़ाती है।

(छ) देश की एकता को कमजोर करती है।

उत्तर: क, ख, घ, च

© JCERT not to be republished

प्रश्न 7. बेल्जियम और श्रीलंका की सत्ता में साझेदारी की व्यवस्था के बारे में निम्नलिखित बयानों पर विचार करें:

(क) बेल्जियम में डच भाषी बहुसंख्यकों ने फ्रेंच भाषी अल्पसंख्यकों पर अपना प्रभुत्व जमाने का प्रयास किया।

(ख) सरकार की नीतियों ने सिंहली भाषी बहुसंख्यकों का प्रभुत्व बनाए रखने का प्रयास किया।

(ग) अपनी संस्कृति और भाषा को बचाने तथा शिक्षा और रोजगार में समान अवसर के लिए श्रीलंका के तमिलों ने सत्ता को संघीय ढ़ाँचे पर बाँटने की माँग की।

(घ) बेल्जियम में एकात्मक सरकार की जगह संघीय शासन व्यवस्था लाकर मुल्क को भाषा के आधार पर टूटने से बचा लिया गया।

ऊपर दिए गए बयानों में से कौन से सही हैं?

उत्तर: क, ख, ग और घ

प्रश्न 8. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए

सूची 1 सूची 2

1. सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता का बँटवारा क)सामुदायिक सरकार
2. विभिन्न स्तर की सरकारों के बीच अधिकारों का बँटवारा ख) अधिकारों का वितरण
3. विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी ग) गठबंधन सरकार
4. दो या अधिक दलों के बीच सत्ता की साझेदारी घ) संघीय सरकार

उत्तर: 1 — ख, 2 — घ, 3 — क, 4 — ग

प्रश्न 9. सत्ता की साझेदारी के बारे में निम्नलिखित दो बयानों पर गौर करें और नीचे दिए प्रश्न का जवाब दें:

(अ) सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र के लिए लाभकर है।

(ब) इससे सामाजिक समूहों में टकराव का अंदेशा घटता है।

इन बयानों में कौन सही है और कौन गलत?

उत्तर: दोनों बयान सही हैं।

© JCERT not to be republished

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. बेल्जियम किस महादेश में स्थित है ?

   a. एशिया b. यूरोप

   c. ऑस्ट्रेलिया d. अफ्रीका

2. श्रीलंका कब स्वतंत्र हुआ ?

   a. 1948 b. 1952

   c. 1947 d. 1956

3 श्रीलंका में तमिल लोगों ने स्वायत्त क्षेत्र की मांग किस वर्ष की ?

   a. 1970 b. 1980

   c. 1990 d. 2000

4. रोहिंग्या मुसलमानों का पलायन किस देश से हो रहा है ?

   a. पाकिस्तान b. इंडोनेशिया

   c. चीन d. श्रीलंका

5. यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहां है?

   a. पेरिस b. ब्रुसेल्स

   c. टोक्यो d. कोलंबो

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बहुसंख्यक वाद पर प्रकाश डालें।
2. श्रीलंका का 1956 का कानून पर प्रकाश डालें।
3. गृह युद्ध पर प्रकाश डालें।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. बेल्जियम में अपनी समस्याओं से निपटने के लिए कौन से रास्ते अपनाये?
2. श्रीलंका की समस्या श्रीलंका के लिए इतनी जटिल क्यों बन गई?

© JCERT not to be republished